महत्वपूर्ण एवं खास

जशपुर जिले में 143 करोड़ से चार सड़कों का हो रहा चौड़ीकरण

रायपुर, (आरएनएस)। लोक निर्माण विभाग द्वारा जशपुर जिले में वर्तमान में चार महत्वपूर्ण और बड़े सड़कों का चौड़ीकरण तथा उन्नयन कार्य तेजी से जारी है। लगभग एक सौ किलोमीटर लंबाई वाले इन मार्गों का निर्माण 142 करोड़ 71 लाख रूपए की राशि से किया जा रहा है। इनमें 8 किलोमीटर लंबाई के कुनकुरी-महुआटोली-लोधमा-जोकारी मार्ग का निर्माण माह मार्च तक पूर्ण कर लिए जाने की संभावना है। इसका निर्माण 10 करोड़ 57 लाख रूपए की राशि से किया जा रहा है। शेष तीन मार्गों के चौड़ीकरण तथा उन्नयन कार्य आगामी माह जून तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इनमें 49 किलोमीटर लंबाई के जशपुर-सन्ना मार्ग का डामरीकरण तथा चौड़ीकरण कार्य 71 करोड़ 56 लाख रूपए की राशि से किया जा रहा है। इस मार्ग में 52 नग पुलिया का निर्माण भी शामिल है। इसी तरह लगभग 22 किलोमीटर लंबाई के कांसाबेल-सरईपानी मार्ग का चौड़ीकरण तथा मजबूतीकरण कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। इसके निर्माण के लिए 24 करोड़ 28 लाख रूपए की राशि स्वीकृत है। इसके अलावा बालाछापर-आरा-सकरडेगा मार्ग का चौड़ीकरण तथा उन्नयन कार्य 36 करोड़ 30 लाख रूपए की राशि से किया जा रहा है। इस मार्ग की लंबाई लगभग 20 किलोमीटर है। इन तीनों मार्गों को आगामी माह जून तक पूर्ण कर लिए जाने की संभावना है।

मुख्यमंत्री अचानक पहुंचे नक्सल प्रभावित कोण्डागांव जिले के ग्राम पुसापाल

रायपुर,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने प्रदेशव्यापी लोक सुराज अभियान के आठवें दिन राज्य के नक्सल प्रभावित कोण्डागांव जिले के ग्राम पुसापाल (विकासखंड-माकड़ी) का अचानक दौरा किया। उन्होंने वहां बरगद की घनी छांव में आयोजित चौपाल में विभिन्न शासकीय योजनाओं के बारे में ग्रामीणों से बातचीत की। गांव के पैदल भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री एक जगह पेड़ की डाल पर खेल रहे बच्चों को देखकर ठहर गए और हाथ मिलाकर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और यह भी पूछा कि वे क्या खेलते हैं ? इस पर बच्चों ने उन्हें बताया कि क्रिकेट खेलते हैं, लेकिन बल्ला टूट गया है। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को बल्ला खरीदने के लिए तत्काल पांच सौ रूपए दिए। डॉ. सिंह ने कहा-इन बच्चों से मिलकर मुझे भी अपना बचपन याद आ गया। उन्होंने गांव की राशन दुकान का भी निरीक्षण किया और इस दुकान का संचालन कर रहे महिला स्वसहायता समूह की सदस्य महिलाओं के आग्रह पर मिट्टी तेल टैंकर की स्वीकृति तुरंत प्रदान कर दी। चौपाल में मुख्यमंत्री ने पुसापाल के ग्रामीणों के आग्रह पर महिला मंगल भवन निर्माण के लिए पांच लाख रूपए, ग्राम पंचायत मुख्यालय पुसापाल और आश्रित गांव कोटवेल में सीसी रोड निर्माण के लिए पांच-पांच लाख रूपए तत्काल मंजूर करने की घोषणा की। उन्होंने भूमि 15 किसानों के खेतों में भूमि समतलीकरण के लिए भी अपनी स्वीकृति तत्काल प्रदान कर दी। इसके साथ ही उन्होंने एक ग्रामीण को मुर्गीपालन के लिए शेड निर्माण की भी मंजूरी दी। डॉ. सिंह पुसापाल में हेलीकॉप्टर से उतरते ही सबसे पहले बिना किसी पूर्व सूचना के वहां के आदिवासी किसान घासीराम नेताम के घर पहुंच गए। नेताम अपने परिवार के साथ उस समय आंगन में तुलसी चौरे में पूजा कर रहे थे। प्रदेश के मुखिया को अचानक अपने आंगन में देखकर नेताम परिवार आश्चर्यचकित रह गया। मुख्यमंत्री ने भी उनके साथ तुलसी चौरे की पूजा की और नेताम परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

नेताम ने उनके स्वागत में तत्काल मक्का भूनकर उन्हें दिया। डॉ. सिंह ने भी बड़े चाव से मक्के के दानों का स्वाद लिया। नेताम ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे अपने एक एकड़ की बाड़ी में मक्के की खेती कर रहे हैं। डॉ. सिंह उनकी बाड़ी में भी गए। नेताम ने मुख्यमंत्री को बताया कि राज्य सरकार से उन्हें दो साल पहले सिंचाई पम्प मिला है। लगभग 15 से 20 बोरा मक्के की पैदावार मिल जाती है, जिसे बाजार में बेचने पर उन्हें अच्छी अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। घासीराम नेताम अपनी बाड़ी में टमाटर, बैंगन और धनिये की खेती कर रहे हैं। डॉ. सिंह नेताम की बाड़ी देखने के बाद जब उनके घर आए तो उनकी दो बेटियों - मंजू और मनीषा ने मुख्यमंत्री को ग्रीटिंग कार्ड बनाकर भेंट किया। डॉ. सिंह ने दोनों बेटियों के हाथों हुनर की तारीफ करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने घासीराम नेताम से कहा कि राज्य सरकार ने सहकारी समितियों में धान की तरह मक्के की खरीदी भी समर्थन मूल्य पर करने की व्यवस्था की है। इस वर्ष मक्के का समर्थन मूल्य 1425 रूपए प्रति क्विंटल तय किया गया है। उन्होंने नेताम को इससे कम कीमत में मक्का नहीं बेचने की भी समझाइश दी। डॉ. सिंह ने पुसापाल में एक अन्य किसान रायसिंह नेताम के खेतों में हो रहे भूमि समतलीकरण के कार्य को भी देखा। रायसिंह को राज्य शासन द्वारा दो एकड़ भूमि पर वन अधिकार मान्यता पत्र दिया गया है और इसी भूमि के समतलीकरण में वे लगे हुए थे। उन्हें भूमि समतलीकरण के लिए 39 हजार रूपए भी शासन द्वारा मंजूर किए गए हैं।ाय सिंह का परिवार के सदस्य भी तेंदूपत्ता संग्रहण करते हैं।

बिना ऑपरेशन कमर दर्द से राहत देगा ओजोन डिसकेक्टमी

कमर दर्द और साइटिका ऐसी समस्याएं हैं जो पीड़ित व्यक्ति को एकदम लाचार कर देती हैं। जब फिजियोथेरेपी और पेनकिलर से फायदा नहीं मिलता, तब अक्सर डॉक्टर स्पाइन के ऑपरेशन का सुझाव देते हैं। ओज़ोन डिसकेक्टमी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिससे विदेश में हजारों पीड़ितों को बिना ऑपरेशन कमर दर्द से राहत मिली है। कमर दर्द का एक प्रमुख कारण स्लिप्ड डिस्क होता है। इस स्थिति में रीढ़ की हड्डी के बीच स्थित डिस्क सूज जाती है और नस पर दबाव डालती है जिसके कारण दर्द होता है। ओजोन डिसकेक्टमी प्रक्रिया में एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड की सहायता से प्रभावित डिस्क में ओजोन डाला जाता है और सूजन को हमेशा के लिए खत्म कर दिया जाता है। इस प्रक्रिया के कोई साइड इफेक्ट नहीं होते और यह बिना किसी ऑपरेशन या हॉस्पिटल में दाखिल हुए दर्द से आराम पहुंचाती है। इस पद्धति का प्रयोग पिछले एक दशक से दिल्ली पेन मैनेजमेंट सेंटर में सफलतापूर्वक किया जा रहा है, जिससे अभी तक 12,000 से अधिक रोगियों का इलाज हो चुका है।

पानी की कमी से जूझते अंचल के किसान

कवर्धा, (आरएनएस)। मार्च का महीना पूरा निकला भी नहीं गर्मी का मौसम जोर शोर से सताने लगी है वही गर्मी की वजह से कवर्धा के आसपास इलाके में पानी की कमी महसूस होने लगी है कहे तो विकासखंड लोहारा के अंतर्गत कुछ गांव में पानी की किल्लत देखी जा रही है लोग 2 किलोमीटर 3 किलोमीटर से पानी लाने पर मजबूर हैं ।कवर्धा के रामनगर .कैलाश नगरभी अछूता नही है। कुछ बुद्धिजीवियों का कहना है कि यह सब संकेत आने वाले समय के लिए ठीक नहीं है
क्षेत्र मे जैसे जैसे गन्ने का क्षेत्रफल बढ रहा है वैसे वैसे पानी की कमी क्षेत्रीय सतही भूमि पर देखीं जा रही हैं ऊपर से अवैध बोरवेल खनन तथा जलग्रहण प्रबंधन मे गडबड़ी वनों का अन्धाधुन्ध कटाई इन सभी कारणों से आनेवाले 10 साल के अन्दर बेहद ही कठिन समस्या से जुझना पडेगा ।इसे रोकने के ठोस उपाय नही किया गया तो रेगिस्तान जैसी हालत उत्पन्न हो सकती है ।

हीटर में पानी गर्म करना पड़ा भारी करंट लगने से महिला की मौत

रायपुर, (आरएनएस)। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के विजय नगर में आज सुबह एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विजय नगर में रहने वाली रेवती बाई पति हेमचंद 32 वर्ष निवासी गली नंबर 4 विजय नगर मूलतः झलप की रहने वाली थी। पिछले एक साल से वह अपने परिवार के साथ यहां किराए का मकान लेकर रहती थी। बताया जाता है कि रेवती का परिवार रोजी-मजदूरी कर परिवार चला रहा था। उसका पति कारपेंटर था और वह भी अपने काम पर चला गया था। आज सुबह रेवती बाथरूम में कपड़ा धो रही थी, उसने हीटर में पानी गर्म करने के लिए रखा था। कुछ देर बाद पानी गर्म हुआ या नहीं यह देखने वह उठी और बिजली का बटन बंद किए बिना ही उसने सीधे पानी में अपनी उंगलियां डूबा दी। इससे उसे जोरदार करंट लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है, वहीं प्रकरण जांच में लिया है।

गर्मियों में सिर को यूं रखें स्वस्थ

गर्मियों में सिर में रुखापन और खुजली से आपको झुंझलाहट महसूस हो सकती है और चमकदार बालों के लिए इसका उपचार करने की जरूरत होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छे शैम्पू से नियमित रूप से सिर की सफाई करने के साथ ही तेज धूप में स्कार्फ या दुपट्टे से सिर ढकने से और मसाज करने से सिर (स्कैल्प) को स्वस्थ रखा जा सकता है। 'केरास्टेस' की एजुकेशन हेड मेलिसा ह्यूज ने इस संबंध में ये सुझाव दिए हैं :* सिर की नियमित रूप से अच्छे शैम्पू से सफाई करें। गर्मी में ऐसे शैम्पू का इस्तेमाल करें जो अतिरिक्त तेल, पसीना, गंदगी को निकाल दे। * सिर में नमी या मुलायमपन को बरकरार रखने के लिए आप सूदिंग या रिफ्रेशिंग स्कैल्प मास्क का इस्तेमाल कर सकती हैं। * सिर में रुखेपन व खुजली से बचने के लिए इसे हमेशा साफ रखें। * तेज धूप में बाहर निकलने के दौरान स्कार्फ या हैट से सिर ढक कर रखें। सिर में कोई समस्या होने पर महीने में हर 15 दिन पर विशेष उपचार लेना बेहतर होगा। * त्वचा और सिर में नमी बनाए रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थ का सेवन करें। * हर 15 दिन पर सिर की गहराई से सफाई सिर से संबंधित समस्या को दूर रखेगी। * सही उत्पाद के इस्तेमाल से बालों की अच्छी तरह कंडीशनिंग करें। कामा आयुर्वेदा के डॉक्टर शरद कुलकर्णी (इन-हाउस) ने भी इस संबंध में ये सुझाव दिए हैं : * नैचुरल तेल से नियमित (सप्ताह में 3-4 दिन) रूप से सिर, बालों का कम से कम 10 मिनट तक मसाज जरूर करें। * मसाज के बाद अच्छे शैम्पू से बाल धो लें। * बाल कभी भी गर्म पानी से नहीं धुलें। गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें।

सड़क निर्माण में लगे वाहनों में आगजनी के बाद ठेकेदार की निर्मम हत्या

बीजापुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के तुमनार से कोयाइटपाल के बीच पीएमजीएसवाय के तहत सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था जिससे नक्सली नाराज थे । बीती रात लगभग 12 बजे के आस पास अचानक ठेकेदार के तुमनार स्थित केम्प में नक्सली पहुंच कर निर्माण कार्य मे लगे चार वाहनों को आग के हवाले करते हुए ठेकेदार विशाल कुमार को अगवा कर लिया । ठेकेदार से पूछ ताछ के बाद नक्सलियों ने तेज धार धार हथियार से ठेकेदार की निर्ममता पूर्वक हत्या कर शव को सड़क पर फेंक दिया । ठेकेदार विशाल कुमार धमतरी जिले के कुरुद का निवासी बताया जा रहा है जो पिछले दो तीन महीनों से सड़क निर्माण का कार्य करा रहा था । इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है वही सड़क निर्माण कार्य करा रहे ठेकेदारों में भी काफी दहशत देखा जा रहा है । मिली जानकारी के अनुसार ठेकेदार विशाल कुमार तुमनार से कोया इटपाल के बीच पीएमजीएसवाय की सड़क निर्माण का कार्य पिछले कुछ महीनों से कर रहा था, इस बाद को लेकर नक्सली नाराज चल रहे थे । रविवार की रात लगभग 12 बजे नक्सलियों ने अचानक ठेकेदार के तुमनार स्थित केम्प में धावा बोल दिया और निर्माण कार्य मे लगे दो जेसीबी मशीन,दो अजाक्स मशीन को आग के हवाले करते हुए ठेकेदार विशाल कुमार को अगवा कर लिया, जिसके बाद उसकी हत्या कर शव को सड़क पर फेंक दिया । नक्सलियों ने शव के पास कुछ पर्चे भी फेंका है जिसमे सड़क निर्माण का काम नही करने और इस काम मे किसी को वाहन नही लगाने की बाते लिखा है अन्यथा अंजाम भुगतने की धमकी भी दिया गया है । लगातार नक्सलियों द्वारा इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिए जाने से सड़क या अन्य निर्माण कार्य मे लगे ठेकेदारों में दहशत देखा जा रहा है इसके अलावा क्षेत्रवासीयो में भी काफी दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है।

भारतीय संस्कृति में महिलाओं का योगदान सर्वोपरि-

बिलासपुर,(आरएनएस)। नगरीय प्रशासन उद्योग एवं वाणिज्यिक कर मंत्री अमर अग्रवाल ने आज हाई स्कूल मैदान रतनपुर में आयोजित समारोह में विभिन्न समाज की महिलाओं एवं प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया । इस अवसर पर उन्होंने 5 करोड़ की लागत से सीसी रोड़ एवं नाली सहित अन्य निर्माण कार्यो का भूमि पूजन किया । साथ ही 10 लाख की लागत से बस्तर आर्ट दीवार पेंटिग का भी भूमि पूजन किया । नगरीय प्रशासन मंत्री अग्रवाल ने इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं का योगदान और सम्मान किया जाता रहा हैं। हमारे देश में नवरात्रि शक्तिपूजन इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भी महिला सशक्तिकरण और बेटी बचाओं और बेटी पढाओं योजनांतर्गत उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा हैं। आज की बेटियां भी विभिन्न क्षेत्रों मे महत्वपूर्ण पदों मे कार्य कर रही हैं। आज वे विमान उड़ाती हैं। सेना और महिला पुलिस बल के रूप में के साथ हर क्षेत्रो मे पुरूषो के बराबर कार्य कर रही हैं। उन्होंने चैत्र नवरात्रि पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब शासन ने नारी भ्रूण हत्या पर भी कानून बनाकर बेटी बचाओं कार्यक्रम के अन्तर्गत कडी कार्यवाही कर रही हैं।

सांसद लखन लाल साहू ने अपने सम्बोधन में कहा कि चैत्र नवरात्रि के अवसर पर आयोजित महिला सम्मान समारोह इस बात की द्योतक है कि आज भी महिलाओं का सम्मान होता हैं। महिलाएं द्वारा घर परिवार संभालना और बच्चों को संस्कार देना जैसे महत्वपूर्ण काम में लगी रहती हैं। वह पुरूषों के बराबर ही नहीं बल्कि उनसे ज्यादा काम करती हैं। हमारी संस्कृति में महिलाओं का सम्मान किया जाता रहा है। उन्होंने महिलाओं के उल्लेखनीय कार्यो की चर्चा करते हुए कहा कि महिलाएं ही घर परिवार समाज और देश को मजबूत करती है। आज सम्मान करते हुए हमें प्रसन्नता हो रही हैं। नगरीय प्रशासन मंत्री अमर अगवाल ने रतनपुर में शासकीय नूतन शाला एवं पुराना बस स्टेन रतनपुर में 19 लाख लागत से दो वाटर ए-टी.एम. का लोकार्पण किया । उन्होंने कार्यक्रम में पुरातत्व संरक्षण एवं पर्यटन विकास समिति रतनपुर बिलासपुर द्वारा रतनपुर एक धरोहर एवं छत्तीसगढ़ एक तिहार फोल्डर का विमोचन किया । इस अवसर पर कोटा विधायक डॉ. रेणु जोगी पूर्व विधान सभा उपाध्यक्ष नारायण चदेल नगर पालिका अध्यक्ष सुआशा सूर्यवंशी सहित शिव मोहन बघेल , सहित बडी संख्या में रतनपुर के नागरिक मौजूद थे।

आपत्तिजनक हालत में प्रेमी के साथ पकड़ाई नातिन, बुजुर्ग महिला को मौत के घाट उतारा

राजनांदगांव,(आरएनएस)। जिले के कांकेतरा में हत्या का बेहद ही सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर कांकेतरा में बीएससी की छात्रा ने अपनी नानी का क़त्ल करके, घर में ही दफ्ना दिया और पुलिस को गुमराह करने के लिए झूठी रिपोर्ट लिखवा दी, लेकिन पुलिस ने शक़ के आधार पर जब लड़की से पूछताछ की तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। दरअसल आरोपी अनीता देवांगन नानी के घर रहकर पढ़ाई कर रही थी और उसका गांव के ही लड़के से प्रेम प्रसंग चल रहा था। एक दिन उसकी नानी ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था, जिसके बाद दोनों मिलकर उनका क़त्ल कर दिया उसके बाद 17 मार्च की सुबह आरोपी ने लालबाग थाने पहुंचकर पुलिस को बताया कि उसके घर देर रात दो अज्ञात व्यक्ति घुस आए और उसकी आंखों में मिर्च पाउडर डालकर उसकी डंडे से पिटाई की और उसकी 55 वर्षीया नानी महतरीन बाई को उठा ले गए। युवती की इस बात पर पुलिस को शक हुआ, क्योंकि घर में लूट की वारदात हुयी ही नहीं थी। बाद में कड़ाई से पूछताछ में आरोपी ने सच कबूल कर लिया और घर में छिपाए हथियार और महिला को दफ्न करने वाली जगह का खुलासा किया। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

अलग-अलग मामले में 4 की मौत

महासमुंद, (आरएनएस)। रविवार को चार अलग-अलग मामले में 4 की मौत हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है। जानकारी के मुताबिक कोतवाली थाना क्षेत्रांतर्गत क्लबपारा निवासी श्रीराम नायक पिता नाथूराम नायक (60) की तबियत अधिक खराब होने से जिला अस्पताल लाया गया था जहां उनकी मौत हो गई। दूसरा मामला सांकरा थाना क्षेत्र लोहराकोट निवासी शौकलाल पिता स्व. मोनूलाल (45) ने जहर सेवन कर लिया था उनका उपचार रायपुर के एक निजी अस्पताल में चल रहा था जहां शनिवार देर शाम उनकी मौत हो गई। तीसरा और चौथा मामला बसना थाना क्षेत्र का है जिसमें लीमदरहा निवासी सलमा बालो पिता उमर बेग (28) को उपचार के लिए मेकाहारा में भर्ती कराया गया था जहां उनकी मौत हो गई और मंजनीमाटी निवासी पिंकू उर्फ ताहिर धृतलहरे को उपचार के लिए बसना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था जहां चिकित्सकों ने जांच पश्चात मृत घोषित कर दिया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

1- कुतुबुद्दीन ऐवक ने अपना राज्यभिषेक 24 जून 1206 ई. को किया था ।
2- कुतुबुद्दीन ऐबक ने अपनी राजधानी लाहौर में बनायी थी ।
3- कुतुबुमीनार की नींव कुतुबुद्दीन ऐवक ने डाली थी ।
4- कुतुबुमीनार के निर्माण को पूर्ण करवाया ।
5- सबसे पहले शुध्द अरबी सिक्के जारी किए । चांदी का टंका एवं तॉबा का जीतल
6- इत्ता प्रणाली चलाई ।
7-चालीस गुलाम सरदारों का संगठन बनाया जो तुर्कान -ए-चिहलगानी के नाम से जाना गया ।
8- सर्वप्रथम दिल्ली के अमीरों का दमन किया ।
9-दिल्ली का कुवत उल इस्लाम मस्जिद एवं अजमेर का ढाई दिन का झोपडा नामक मस्जिद का निर्माण ऐबक ने करवाया था ।
10-कुतुबुद्दीन ऐबक को लाख बख्शा लाखों का दान देनेवाला भी कहा जाता था ।
11- प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय को ध्वस्त करने वाला ऐबक का सहायक सेनानायक बख्तियार खिलजी था ।
12-ऐबक की मृत्यु 1210 ई. में चौगान खेलते समय घोडे से गिरकर हो गयी । इसे लाहौर मे दफनाया गया ।
13- ऐबक की उत्तराधिकारी आरामशाह हुआ जिसने सिर्फ आठ महीनों तक शासन किया ।
14- आरामशाह की हत्या करके इल्तुतमिष 1211 ई. में दिल्ली की गद्दी पर बैठा ।
15. इल्तुतमिश तुर्किस्तान का इल्बरी तुर्क था, जो ऐबक का गुलाम एवं दामाद था । ऐबक की मृत्यु के समय वह बदायूँ का गवर्नर था ।
16. इल्तुतमिश लाहौर से राजधानी को स्थानान्तरित करके दिल्ली लाया । इसने हौज ए सुल्तानी का निर्माण देहली ए कुहना के निकट करवाया था।
17. इल्तुतमिष पहला शासक था जिसने 1229 ई. में बगदाद के खलीफा से सुल्तान पद की वैधानिक स्वीकृति प्राप्त की ।
18. इल्तुतमिश के मृत्यु अप्रैल 1236 ई. में हो गयी ।
19. चंगेज खॉ से बचने के लिए ख्वारिज्म के सम्राट जलालुद्दीन को इल्तुतमिश ने अपने यहॉ शरण नही दी थी ।
20. इल्तुतमिष के बाद उसका पुत्र रूकनुद्दीन फिरोज गद्दी पर बैठा ।
21. शाह तुरकान के अवांछित प्रभाव से परेशान होकर तुर्की अमीरों ने रूकनुद्दीन को हटाकर रजिया को सिंहासन पर आसीन किया इस प्रकार रजिया बेगम प्रथम मुस्जिम महिला थी जिसने शासन की बागडोर सँभाली ।
22. रजिया ने पर्दाप्रथा का त्यागकर तथा पुरूषो की तरह चोगा काबा एवं कुलाह टोपी पहनकर राजदरबार में खुले मुँह से जाने लगी ।
23. रजिया ने मलिक जमालुद्दीन याकूतको अमीर ए अखूर नियुक्त किया।
24. गैर तुर्की को सामंत बनाने के रजिया के प्रयासों से तुर्की अमीर विरूद्ध हो गए और उसे बंदी बनाकर दिल्ली की गद्दी पर मुइजुद्दीन बहरामशाह को बैठा दिया ।
25. रजिया की शादी अल्तुनिया के साथ हुई । इससे शादी करने के बाद पुनः गद्दी प्राप्त करने का प्रयास किया लेकिन वह असफल रही ।
26. रजिया की हत्या 13 अक्टूबर 1240 ई. को डाकूओं के द्वारा कैथल के पास कर दी गई ।
27. बहराम शाह के बाद दिल्ली का सुल्तान अलाउद्दीन मसूद शाह को सुल्तान के पद से हटाकर नासिरूद्दीन महमूद को सुल्तान बना दिया ।